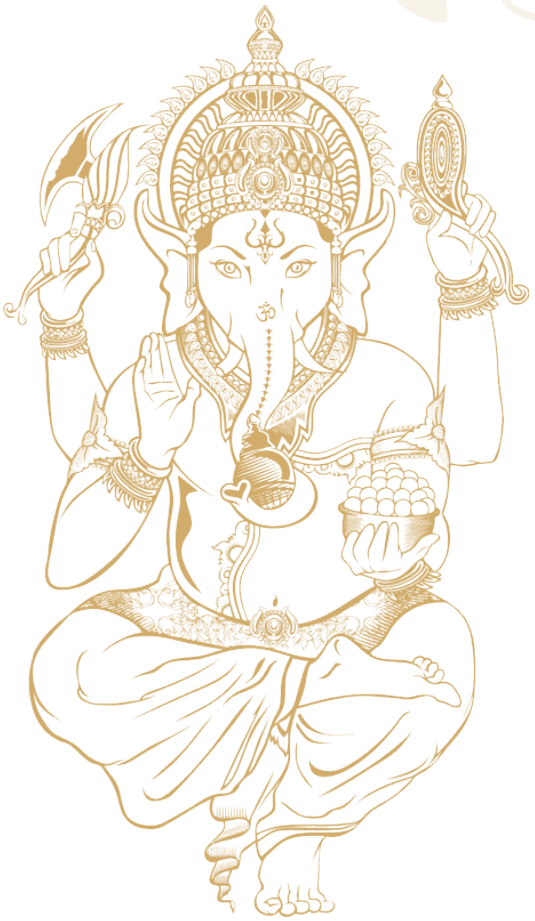

P

K

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121743903

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/01/2001	जन्म तिथि	13/10/2001
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 18:00:00	जन्म समय	13:12:00 घंटे
घटी 27:55:21	जन्म समय(घटी)	17:37:22 घटी
India	देश	India
Hyderabad	स्थान	Hyderabad
17:22:00 उत्तर	अक्षांश	17:22:00 उत्तर
78:26:00 पूर्व	रेखांश	78:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:16	स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:49:51	सूर्योदय	06:09:03
18:01:42	सूर्यास्त	17:55:52
23:52:02	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:37

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 3वर्ष 2मा 6दि	01:59:15	कर्क	लग्न	मक	03:08:21	केतु 2वर्ष 10मा 26दि
राहु	01:33:38	मक	सूर्य	कन्या	26:09:39	सूर्य
24/03/2011	19:05:13	कन्या	चंद्र	सिंह	07:47:52	09/09/2024
24/03/2029	19:27:56	तुला	मंगल	धनु	26:29:54	09/09/2030
राहु 04/12/2013	14:22:18	मक	बुध व	कन्या	27:48:41	सूर्य 27/12/2024
गुरु 29/04/2016	07:29:14	वृष व	गुरु	मिथु	21:08:34	चन्द्र 28/06/2025
शनि 06/03/2019	18:38:34	कुंभ	शुक्र	कन्या	03:26:19	मंगल 03/11/2025
बुध 22/09/2021	00:16:38	वृष व	शनि व	वृष	20:51:04	राहु 27/09/2026
केतु 11/10/2022	21:35:52	मिथु व	राहु व	मिथु	06:05:51	गुरु 17/07/2027
शुक्र 11/10/2025	21:35:52	धनु व	केतु व	धनु	06:05:51	शनि 28/06/2028
सूर्य 04/09/2026	25:31:54	मक	हर्ष व	मक	27:09:41	बुध 04/05/2029
चन्द्र 05/03/2028	11:59:23	मक	नेप व	मक	12:07:18	केतु 09/09/2029
मंगल 24/03/2029	20:23:10	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	19:20:55	शुक्र 09/09/2030

लग्न-चलित

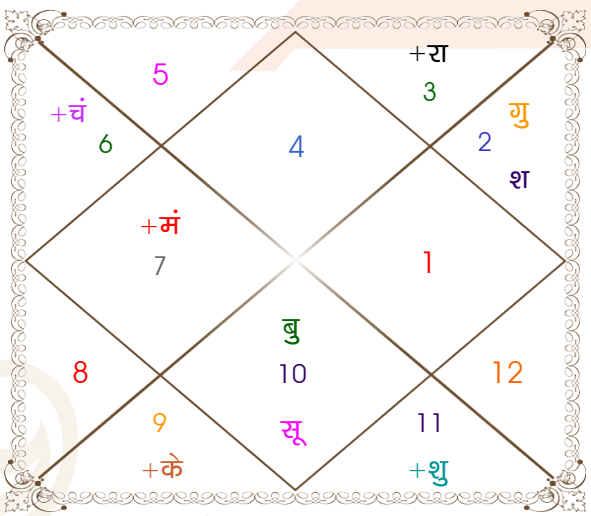

लग्न-चलित

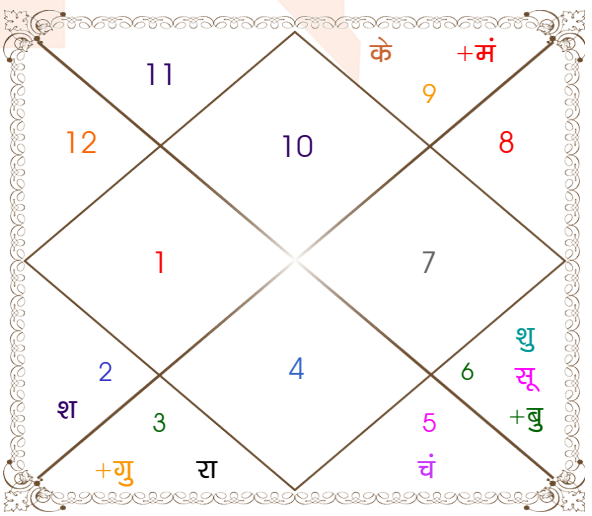

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	सूर्य	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

P का वर्ग श्वान है तथा K का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार P और K का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

P मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

K मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल K कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु K कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह

(राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु P कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि P कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

P तथा K में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।